

सैंटरल वसिटा की तरज पर उत्तर प्रदेश में भी बनेगा नया वधिनभवन

चर्चा में क्यों?

3 मार्च, 2023 को उत्तर प्रदेश वधिनसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया कि देश के नए संसद भवन (सैंटरल वसिटा) की तरज पर उत्तर प्रदेश को भी जल्द ही नए वधिनभवन की सौगात मिलेगी। 18वीं वधिनसभा के सदस्यों को नई वधिनसभा में बैठने का मौका मिलेगा।

प्रमुख बदि

- वधिनसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया कि वर्ष 2027 के पहले नये वधिनभवन का नरिमाण पूरा करने का लक्ष्य रखा जाएगा। इसे पूरी तरह ईको फ्रेंडली, भूकंपरोधी और आधुनिक सुवधिओं से लैस किया जाएगा।
- मौजूदा भवन के काफी पुराने हो जाने, बढ़ती जरूरतों के मुताबकि जगह कम होने, आसपास भारी यातायात का दबाव के चलते अन्यत्र नया वधिनभवन बनाने की तैयारी है। इसके लिये प्रारंभिक तौर पर 50 करोड़ रुपए बजट में रखे गए हैं।
- उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि 18वीं वधिनसभा का कम से कम एक सत्र का आयोजन नए वधिनभवन में हो। नए वधिनभवन का नरिमाण बढ़ती जरूरतों के अनुसार किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि मौजूदा वधिनभवन करीब 100 साल पुराना है। इसकी नींव 15 दिसंबर, 1922 को तत्कालीन गवर्नर सर स्पेंसर हरकोर्ट बटलर ने रखी थी। यह भवन करीब छह साल में बनकर तैयार हुआ था तथा 21 फरवरी, 1928 को इसका उद्घाटन किया गया था।
- मौजूदा वधिनभवन का नरिमाण कोलकाता की मेसर्स मार्टिनि एंड कंपनी द्वारा किया गया था। इसके मुख्य आर्किटेक्ट सर स्वनिोन जैकब और हीरा सहि थे। उस समय वधिनभवन के नरिमाण के लिये 21 लाख रुपए स्वीकृत किए गए थे।
- उत्तर प्रदेश का मौजूदा वधिनभवन यूरोपियन और अवधी नरिमाण की मशिरति शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसमें फलिहाल 403 वधियकों के बैठने की व्यवस्था है।
- जुलाई 1935 में वधिन परिषद की बैठकों और कार्यालय कक्षों के लिये एक अलग चेंबर का प्रस्ताव किया गया था। एक्सटेंशन भवन का नरिमाण मुख्य वास्तुविदि एम मार्टीमंर द्वारा कराया गया था। इसे लोक नरिमाण विभाग की देखरेख में नवंबर 1937 में पूरा किया गया था। वधिनपरिषद में फलिहाल 100 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था है।
- ज्ञातव्य है कि सैंटरल वसिटा प्रोजेक्ट में दलिली में नए संसद भवन के साथ ही केंद्र सरकार के अन्य कार्यालयों का नरिमाण किया जा रहा है। माना जा रहा है कि नया संसद भवन भव्यता के साथ ही औपनिवेशिक काल के स्मारकों को टक्कर देने वाली स्थापत्य कला का शानदार उदाहरण बनकर उभरेगा।